तेलंगाना, बंगाल और महाराष्ट्र में लॉकडाउन 30 अप्रैल तक बढ़ा

उठाया कदम ▸ महाराष्ट्र के सीएम ने कहा– कोई दूसरा विकल्प नहीं था, ममता का दावा– पीएम ने पूरे देश में लॉकडाउन बढ़ाने की कही है बात

चंद्रशेखर राव बोले, सख्ती से लागू करेंगे नियम

जेएनएन, नई दिल्ली

कोरोना वायरस के बढ़ते प्रसार को देखते हुए महाराष्ट्र, बंगाल और तेलंगाना ने भी लॉकडाउन को 30 अप्रैल तक बढ़ा दिया है। सबसे पहले ओडिशा ने इस महीने तक लॉकडाउन बढ़ाने का एलान किया था, जिसके बाद पंजाब ने भी एक मई तक लॉकडाउन की अवधि बढ़ाने की घोषणा की थी। कोरोना से पैदा हुए हालात की समीक्षा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बैठक करने के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तेलंगाना के सीएम के. चंद्रशेखर राव ने अपने-अपने राज्यों में लॉकडाउन बढ़ाने की घोषणा की। हालांकि, केंद्र सरकार की तरफ से अभी देशभर में लॉकडाउन की अवधि बढ़ाने की औपचारिक घोषणा नहीं की गई है।

वेबकास्ट के जरिए लोगों को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि बढ़ते संक्रमण को रोकने के लिए सरकार के पास कोई दूसरा विकल्प नहीं था। लॉकडाउन के दौरान स्थानीय हालात को देखते हुए नरमी और सख्ती बरती जा सकती है। उद्धव ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र में कोरोना पॉजिटिव रोगियों की संख्या सर्वाधिक इसलिए है क्योंकि मुंबई एवं पुणे अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा होने के चलते शुरू से ही यहां विदेश से संक्रमित आते गए। इसके अलावा राज्य में बड़े पैमाने पर जांच भी की जा रही है। महाराष्ट्र में पूरे देश की तुलना में सर्वाधिक 33,000 लोगों की जांच की जा चुकी है। इसमें 19,540 जांच मुंबई में की गई है।

राज्य में गंभीर मरीज कम : मुख्यमंत्री ठाकरे का कहना है कि महाराष्ट्र में कोरोना रोगियों की संख्या अवश्य पूरे देश की तुलना में ज्यादा है। लेकिन इनमें गंभीर लक्षणों वाले रोगी पांच फीसद ही हैं और वह भी कुछ क्षेत्रों में ही सीमित हैं।

मरने वालों में गंभीर बीमारियों से पीड़ित ज्यादा : मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में अब तक इस महामारी के चलते जान गंवाने वाले लोगों में पहले से अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों की संख्या ही अधिक है। उद्धव ने संकेत दिया कि महाराष्ट्र में लॉकडाउन की सीमा बढ़ने के बावजूद कृषि एवं मत्स्य व्यवसाय से जुड़े लोगों को उनके कार्य में छूट देने की व्यवस्था रखी जाएगी।

देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान खाद्यान्न और सब्जियों आदि की आपूर्ति सुचारु रखने के लिए बड़ी संख्या में ट्रक ढुलाई में लगे हुए हैं। शनिवार को महाराष्ट्र के नवी मुंबई में थोक सब्जी मंडी के बाहर कतार में खड़े वाहन। प्रेट्र

ड्रोन से होगी निगरानी

ममता ने कहा कि कोरोना के हॉटस्पॉट वाले इलाकों पर ड्रोन से नजर रखी जाएगी और वहां लॉकडाउन का पालन सख्ती से कराया जाएगा। हालांकि, इस दौरान राशन व दवा समेत आवश्यक सामान की दुकानें खुली रहेंगी।

बंगाल में स्कूल-कॉलेज में 10 जून तक छुट्टी : ममता बनर्जी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग में राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन 30 अप्रैल तक बढ़ाने की बात कही है, क्योंकि कोरोना से निपटने के लिए अगले दो सप्ताह काफी मुश्किल और चुनौतीपूर्ण होने वाले हैं। ममता ने कहा कि बंगाल सरकार भी लॉकडाउन बढ़ाने के पक्ष में है और हम केंद्र के फैसले के साथ हैं। ममता ने इसी के साथ बंगाल में भी 30 अप्रैल तक लॉकडाउन जारी रखने की घोषणा की। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने कोरोना के बढ़ते प्रकोप की वजह से राज्य के सभी शिक्षण संस्थानों को 10 जून तक बंद रखने का भी ऐलान किया। ममता ने कहा कि हम सभी को और अधिक सतर्कता बरतते हुए घरों में रहना चाहिए।

कोरोना को रोकने के लिए लॉकडाउन एक मात्र उपाय : हैदराबाद में चंद्रशेखर राव ने पत्रकारों को प्रदेश में लॉकडाउन 30 अप्रैल तक बढ़ाने के कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि इस बार बहुत सख्ती के साथ इसे लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके जरिए ही कोरोना के प्रसार को रोका जा सकता है। चंद्रशेखर राव ने पहले ही लॉकडाउन को बढ़ाने का समर्थन किया था।

पंजाब में लंगर पर रोक की तैयारी

इन्द्रप्रीत सिंह, चंडीगढ़

- लुधियाना के पुलिस कमिश्नर ने कहा, लंगर न बांटें लोग
- जालंधर के डीसी प्रशासन को राशन पहुंचाने की कर चुके हैं अपील

पंजाब में मोहाली का जवाहरपुर गांव कोरोना का हॉट स्पॉट बन गया है। तीन हजार की आबादी वाले इस गांव में 34 केस पॉजिटिव हो चुके हैं, जबकि कई की रिपोर्ट आनी बाकी है। सरपंच और पंच भी पॉजिटिव हैं। माना जा रहा है कि इस गांव में कोरोना वायरस के बड़े पैमाने पर संक्रमण का कारण लंगर बांटना रहा। प्रदेश के दूसरे जिलों में भी लंगर बांटे जा रहे हैं, जहां टूट रहे एहतियात बहुत भारी पड़ सकते हैं। लिहाजा लंगर पर रोक लगाने की तैयारी चल रही है।

लुधियाना के पुलिस कमिश्नर राकेश अग्रवाल ने लंगर बांटने से लोगों को मना कर दिया है। उन्होंने कहा है कि पुलिस एप तैयार कर रही है जिस पर सामाजिक संस्थाओं को रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसके बाद लोग राशन प्रशासन को पहुंचा सकते हैं, जिसे बांटने का काम पुलिस ही करेगी। जालंधर के डिप्टी कमिश्नर वरिंदर शर्मा पहले ही लोगों से अपील कर चुके हैं कि वे प्रशासन को राशन दें, खुद न बांटें। चंडीगढ़ प्रशासन ने भी लोगों को लंगर बांटने से मना कर रखा है। दरअसल रोपड़ में कोरोना वायरस से जिस सरपंच की मौत हुई वह भी लंगर बांटते थे। जालंधर में शनिवार को कोरोना पॉजिटिव आने वाले कांग्रेस नेता भी लोगों के बीच राशन बांटते थे। ऐसे में बड़े पैमाने पर कोरोना संक्रमण फैलने की आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता है।

घरों में वितरित किया जाए सूखा राशन

मुख्यमंत्री कार्यालय में भी इस तरह की शिकायतें आने लगी हैं जिनमें विधायकों ने कहा है कि लंगर की जगह लोगों के घरों में सूखा राशन मुहैया करवाया जाए। इसे आम लोगों व संस्थाओं की बजाय प्रशासन वितरित करे। सरकार की हिदायतों का पूरा पालन हो। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि इस पर गौर किया जा रहा है।

अव्यवस्था पर दिखाएं सख्ती

प्रथम पृष्ठ से आगे

पीएम ने मुख्यमंत्रियों से कालाबाजारी और जमाखोरी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए कहा। वहीं डॉक्टरों व स्वास्थ्य कर्मियों पर हमलों और पूर्वोत्तर एवं कश्मीर के छात्रों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाओं की निंदा करते हुए ऐसी हरकतों से सख्ती से निपटने की सलाह दी। पीएम ने कृषि कार्यों और कारोबार को लॉकडाउन से राहत दिए जाने की बात कही, साथ ही यह सुझाव भी दिया कि मंडियों में भीड़ को रोकने के लिए कृषि उपज के प्रत्यक्ष मार्केटिंग को प्रोत्साहित किया जाए।

आर्थिक महाशक्ति बनने का मौका : आर्थिक चुनौतियों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह संकट आत्मनिर्भर बनने और देश को एक आर्थिक महाशक्ति में बदलने करने का अवसर है। इसके लिए सभी को एकजुट प्रयास करना होगा। बैठक में अधिकांश मुख्यमंत्रियों ने कोरोना से लड़ने के लिए विशेष आर्थिक संसाधन, चिकित्सा उपकरणों के साथ केंद्रीय फंड के अपने लंबित वित्तीय फंड तत्काल दिए जाने की मांग की।

इस बैठक में भी आठ अप्रैल को हुई सर्वदलीय बैठक जैसी ही सियासी एकजुटता दिखी। ममता बनर्जी, कैप्टन अमरिंदर सिंह, अशोक गहलोत, उद्धव ठाकरे से लेकर अरविंद केजरीवाल सरीखे विपक्ष शासित राज्यों के सीएम हों या योगी आदित्यनाथ, नीतीश कुमार और शिवराज सिंह जैसे भाजपा-एनडीए शासित राज्यों के सीएम कोरोना से लड़ाई में सभी के सुर करीब-करीब एक जैसे ही थे।

दैनिक जागरण के सहयोगी मीडिया प्लेटफॉर्म विश्वास.न्यूज की पड़ताल में सामने आया सच

लॉकडाउन में मजदूरों की पिटाई के दावे निकले गलत

Vishvas News
क्योंकि सच जानना आपका अधिकार है
www.vishvasnews.com

जेएनएन, नई दिल्ली: सोशल मीडिया पर वायरल हो रही कुछ तस्वीरों को लेकर दावा किया जा रहा है कि लॉकडाउन के दौरान पुलिस मजदूरों को बेरहमी से पीट रही है। वायरल हो रही पोस्ट में पिटाई से चोटिल लोगों की तस्वीरें भी हैं। हालांकि पड़ताल में यह दावा गलत साबित हुआ।

पड़ताल: वायरल पोस्ट में दो तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया है। सच्चाई जानने के लिए दोनों तस्वीरों को गूगल रिवर्स इमेज सर्च किया गया। इसमें 23 मार्च 2018 को किए गए ट्वीट के मुताबिक पहली तस्वीर बांग्लादेश के ढाका की है। ट्विटर यूजर 'नील आकाश' ने इस तस्वीर को ट्वीट करते हुए लिखा, 'बांग्लादेश के ढाका के शांतिगनर इलाके में ट्रैफिक पुलिस ने एक रिक्शा चलाने वाले मजदूर को बुरी तरह पीटा।' इन तस्वीरों की लोकेशन को लेकर दावा नहीं किया जा सकता, लेकिन यह साफ है कि ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर 2018 से हैं जबकि लॉकडाउन की घोषणा 24 मार्च 2020 को की गई थी। वहीं दूसरी तस्वीर को लेकर जब गूगल रिवर्स इमेज सर्च किया गया तो एक फेसबुक यूजर की पोस्ट में मिली जो 17 जुलाई 2019 से सोशल मीडिया पर है। इसके अलावा सोशल मीडिया सर्च में पश्चिम बंगाल पुलिस की तरफ से जारी किया गया एक ट्वीट मिला, जिसमें इन दोनों तस्वीरों को लेकर खंडन और चेतावनी जारी की जा चुकी है। दरअसल, सोशल मीडिया पर इन तस्वीरों को पश्चिम बंगाल से जोड़कर वायरल किया गया था। इसके बाद पुलिस की तरफ से 27 मार्च 2020 को जारी किए खंडन में कहा गया है, 'कहीं और की तस्वीरों को पश्चिम बंगाल से जोड़कर वायरल किया जा रहा है, ऐसा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।'

निष्कर्ष: लॉकडाउन के दौरान मजदूरों को पुलिस द्वारा बेरहमी से पीटे जाने के दावे के साथ वायरल हो रहा पोस्ट फर्जी है। जिन तस्वीरों के हवाले से यह दावा किया जा रहा है, वे भारत में लॉकडाउन की घोषणा से काफी समय पहले की हैं।

क्या है वायरल पोस्ट में

फेसबुक यूजर 'दीपक कुमार मालो' ने तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा, 'जितना आज दिहाड़ी, रेहड़ी, हाइवे पर चलते लोगों को मारकर सख्ती की जा रही है। अगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर कर ली जाती तो भारत सुरक्षित रहता।'

झूठी खबर और अफवाहों की हकीकत जानने के लिए वाट्सएप करें:
9205 270 923

दिल्ली से पैदल लौट रहा कटिहार का युवक भदोही में संक्रमित

जासं, कटिहार : लॉकडाउन के कारण दिल्ली से पैदल लौट रहे मजदूरों के जत्थे में शामिल कटिहार का एक युवक कोरोना पॉजटिव पाया गया है। उसे भदोही में क्वारंटाइन किया गया था। संक्रमित युवक को मिर्जापुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

युवक के साथ चल रहे अन्य मजदूरों के सैंपल भी भदोही प्रशासन ने जांच के लिए बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) भेजे गए हैं। संक्रमित मजदूर के जत्थे में शामिल अन्य मजदूर कटिहार के नहीं हैं। 18 वर्षीय युवक दिल्ली में एक गैराज में काम करता था। वह करीब सौ से अधिक मजदूरों के साथ बिहार लौट रहा था। भदोही में मजदूरों को रोककर क्वारंटाइन किया गया था।

जिलाधिकारी कंवल तनुज ने बताया कि युवक के पॉजिटिव होने की सूचना मिली है। वहीं, उसके साथ के मजदूरों को भी वहीं क्वारंटाइन कर लिया गया है। सूचना के आधार पर संदिग्धों की तलाश के लिए छापेमारी की जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि जो लोग अभी जहां हैं वे वहीं रहें। अन्यथा कोरोना संक्रमण फैलता रहेगा और इसकी चपेट में आकर लोगों की मौत भी हो सकती है।

तब्लीगियों की जानकारी छिपाने पर दो प्रधानों के अधिकार सीज, लगेगा रासुका

बदायूं स्थित भवानीपुर खल्ली गांव में निरीक्षण के दौरान पुलिस-प्रशासन के अधिकारी। जागरण

जागरण संवाददाता, बदायूं

तब्लीगियों की जानकारी छिपाना उप्र के बदायूं स्थित सहसवान क्षेत्र के दो ग्राम प्रधानों को भारी पड़ा गया। डीएम ने भवानीपुर खल्ली की प्रधान नसरीन और भवानीपुर खैरू की प्रधान गुलनाज बेगम के अधिकार सीज करते हुए उनकी बर्खास्तगी की प्रक्रिया प्रारंभ करने का आदेश दिया है। इन पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) भी लगाया जाएगा। अधिकार सीज होना और बर्खास्तगी की प्रक्रिया बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। फिलहाल खल्ली की प्रधान नसरीन के पति सरफराज और पूर्व प्रधान रईस अहमद को हिरासत में लिया गया है। इनके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया जा रहा है। पूर्व प्रधान रईस अहमद मस्जिद के मुतवल्ली भी हैं। बता दें कि सहसवान क्षेत्र में अब तक दो कोरोना पॉजिटिव तब्लीगी मिल चुके हैं।

शुक्रवार देर रात भवानीपुर खल्ली की मस्जिद में मिले आंध्र प्रदेश के चित्तूर के 10 तब्लीगियों में एक की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया। जिलाधिकारी कुमार प्रशांत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार त्रिपाठी व अन्य अधिकारी शनिवार को गांव में पहुंचे।

> भवानीपुर खल्ली की प्रधान नसरीन व पूर्व प्रधान रईस अहमद तथा भवानीपुर खैरू की प्रधान गुलनाज के घर सहित अन्य गांवों में संक्रमित व्यक्ति के ठहरने की जानकारी प्रधानों ने छिपाई थी। इसलिए, इनके अधिकार सीज कर दिए गए हैं। इन्हें बर्खास्त करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ करने को कहा गया है। इनके खिलाफ एनएसए की कार्रवाई भी की जाएगी। फिलहाल प्रधानपति और पूर्व प्रधान को हिरासत में ले लिया गया है। मुतवल्ली पर भी एनएसए की कार्रवाई होगी।
> – कुमार प्रशांत, जिलाधिकारी।

यहां पड़ताल में पता चला कि एक मार्च को तब्लीगी जमात से जुड़ी पांच महिलाएं और पांच पुरुष यहां पहुंचे थे। दो दिन रुकने के बाद वे सहसवान की तहसील वाली मस्जिद में गए जहां से 14 मार्च को फिर से वापस भवानीपुर पहुंच गए। लेकिन जब प्रशासन ने तब्लीगियों के बारे में रिपोर्ट मांगी तो प्रधान व उनके पति और पूर्व प्रधान ने जानकारी छिपा ली।

एसएसपी अशोक कुमार त्रिपाठी के अनुसार, भवानीपुर खल्ली की प्रधान नसरीन के पति सरफराज और पूर्व प्रधान रईस अहमद को हिरासत में लिया गया है। जांच के बाद ग्राम प्रधानों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

बंगाल में पांच लोगों की सामूहिक रूप से पिटाई, एक की मौत

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

- तृणमूल नेता व उपप्रधान समेत 20 लोगों के खिलाफ थाने में प्राथमिकी दर्ज
- हत्या के आरोप में पुलिस ने पांच लोगों को किया गिरफ्तार, मुख्य आरोपित फरार

बंगाल में उत्तर 24 परगना जिले के संदल बिल इलाके में लॉकडाउन के दौरान भी भीड़ ने पांच लोगों की सामूहिक रूप से पिटाई कर दी, जिसमें एक युवक की मौत हो गई। उसकी पहचान असरफ गाजी के रूप में हुई है। इस मामले में इलाके के तृणमूल कांग्रेस के नेता व पंचायत के उपप्रधान जयनाल आवेदिन गाजी को मुख्य आरोपित बताया जा रहा है। वहीं, जयनाल का आरोप है कि असरफ उसकी हत्या के लिए आया था। इस दौरान लोगों ने उसकी पिटाई कर दी, जिसमें उसकी मौत हो गई।

असरफ के परिवार का दावा है कि जयनाल के करीबी शुक्रवार दोपहर असरफ समेत पांच लोगों को बुलाकर साथ ले गए थे। इसके बाद उन लोगों को एक पेड़ से बांध कर लाठी से जमकर पीटा गया, जिससे असरफ ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दो अन्य लोगों को गंभीर रूप से जख्मी हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। असरफ की मां ने घटना में तृणमूल नेता व उपप्रधान समेत 20 लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि मुख्य आरोपित फरार है। यहां सवाल यह उठ रहा है कि लॉकडाउन में इतने लोग एक जगह कैसे जमा हुए? पुलिस क्या कर रही थी।?

पुरानी दुश्मनी का नतीजा बताया जा रहा : सूत्र बताते हैं कि यह घटना पुरानी दुश्मनी की वजह से हुई है। आरोप है कि 2018 के पंचायत चुनाव के दौरान जयनाल पर गोली चली थी, लेकिन गोली जयनाल को नहीं बल्कि उसकी मां को लग गई थी। इसके बाद उसने असरफ और उसके दो साथी करीमुल्लाह, नूर इस्लाम के खिलाफ थाने में हत्या के प्रयास की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। कुछ समय तक जेल में रहने के बाद जमानत पर मुक्त होकर असरफ तमिलनाडु में काम करने के लिए चला गया था। कुछ दिन पहले ही वह तमिलनाडु से गांव लौटा था। जयनाल का आरोप है कि अशरफ अपने साथियों के साथ हथियार लेकर मेरी हत्या करने के लिए आया था।

तृणमूल कांग्रेस के दो गुटों में संघर्ष : कोलकाता से सटे दक्षिण 24 परगना जिले के बासंती में लॉकडाउन के दौरान एक बार फिर तृणमूल कांग्रेस के दो गुटों के बीच जमकर झड़प और गोलीबारी हुई। इसमें तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। बताया गया है कि शुक्रवार को बासंती थाने क्षेत्र के मोलखली गांव के निकट सड़क पर 40-50 तृणमूल कार्यकर्ता एकत्रित थे। किन्हीं बातों को लेकर अचानक विवाद हुआ और वहां एक दूसरे मारपीट करने लगे। इसके बाद दो गुटों में जमकर हिंसा शुरू हो गई और गोलीबारी होने लगी। तृणमूल के दफ्तर में भी तोड़फोड़ की गई। इस झड़प में जख्मी तृणमूल के तीन कार्यकर्ताओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गौरतलब है कि लॉकडाउन के दौरान यह दूसरी बार है, जब बांसती में तृणमूल व युवा तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई है।

मेरठ में कार्रवाई करने गई पुलिस पर पथराव, सिटी मजिस्ट्रेट-दारोगा घायल

जागरण संवाददाता, मेरठ

अराजकता

- हाटस्पॉट को सील करने गई थी पुलिस-प्रशासन की टीम
- मस्जिद के पास पहले जमा भीड़ ने किया पथराव, मुतवल्ली सहित आठ पकड़े

उत्तर प्रदेश के मेरठ में कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए जली कोठी क्षेत्र को सील करने पुलिस टीम, जिस पर भीड़ ने पथराव किया। जागरण

पुलिस-प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के लोग अपनी जान की परवाह किए बगैर कोरोना से जंग लड़ रहे हैं, लेकिन अराजक तत्व इस जंग में बाधा डालने से बाज नहीं आ रहे हैं। शनिवार को कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए मेरठ के जली कोठी क्षेत्र को सील करने गई पुलिस-प्रशासन की टीम पर दरी मस्जिद के पास भीड़ ने पथराव कर दिया। सिटी मजिस्ट्रेट और एक दारोगा घायल हो गए। टीम ने भागकर जान बचाई। इसके बाद आरएएफ बुलाकर इलाके को सील किया गया। पुलिस ने मुतवल्ली सहित आठ आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आठ नामजद सहित सैकड़ों लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

तीन कोरोना पॉजिटिव मरीज मिलने के बाद जली कोठी क्षेत्र को हॉट स्पॉट घोषित कर दिया गया। शनिवार दोपहर सिटी मजिस्ट्रेट सतेंद्र सिंह और थाना प्रभारी रविंद्र कुमार पुलिस बल के साथ हॉट स्पॉट को सील करने गए थे। दरी मस्जिद के पास पहले से ही भीड़ जमा थी। पुलिस ने सील के लिए निशानदेही शुरू की तो भीड़ ने पुलिस पर पथराव कर दिया। इसमें सिटी मजिस्ट्रेट सतेंद्र सिंह और दारोगा मुकेश घायल हो गए। सूचना मिलने पर एसपी सिटी पुलिस और आरएएफ को लेकर मौके पर पहुंचे। पथराव करने वाले आरोपितों के खिलाफ देहलीगेट में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

एसएसपी अजय साहनी बोले, आरोपितों पर लगेगा रासुका

एसएसपी अजय साहनी ने बताया कि आरोपितों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, मारपीट करने, धारा 144 का उल्लंघन करने तथा 3 महामारी एक्ट में मुकदमा दर्ज किया है। सभी पर रासुका के तहत कार्रवाई होगी। वीडियो के आधार पर अन्य आरोपितों को चिह्नित किया जा रहा है। घरों से बाहर निकलने वालों पर मुकदमा दर्ज होगा। ड्रोन से उक्त क्षेत्र की लगातार निगरानी की जाएगी।

जमाती की सूचना देने वाले को 10 हजार रुपये का इनाम

जागरण संवाददाता, बुलंदशहर

कोरोना वायरस की चेन तोड़ने के लिए पुलिस-प्रशासन ने दिन रात एक कर रखा है, लेकिन दिल्ली की निजामुद्दीन मरकज से लौटे जमाती सरकार की मेहनत पर पानी फेर रहे हैं। उप्र के बुलंदशहर जिले में सैकड़ों जमाती छिपे हैं। अब इनकी तलाश के लिए बुलंदशहर पुलिस ने नई रणनीति तैयार की है। इसके तहत छिपे जमातियों की सूचना देने वाले को दस हजार रुपये का नकद इनाम देने का एलान किया गया है।

बुलंदशहर पुलिस को इनपुट मिला है कि बुलंदशहर जिले से दिल्ली गए आधे से ज्यादा जमाती अभी गायब हैं। इनका पता नहीं चलने से पुलिस और प्रशासनिक अफसरों की नींद उड़ी हुई है। एसएसपी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि लापता जमातियों की सूचना देने वाले को दस हजार का नकद इनाम दिया जाएगा। सूचना देने वाले का नाम और पता गोपनीय रखा जाएगा। सूचना एसपी सिटी अतुल कुमार श्रीवास्तव दो मोबाइल नंबर भी जारी किए हैं। एसएसपी ने जिले में छिपे जमातियों व उन्हें पनाह देने वालों से अपील की है कि कहीं भी जमाती ठहरे हैं तो वह खुद प्रशासन के पास आ जाएं। उन पर कोई कार्रवाई नहीं होगी। केवल उनका चेकअप होगा। यदि पुलिस जबरन लेकर आई तो फिर मुकदमे दर्ज होंगे और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एससपी ने बताया कि मुखबिर तंत्र के निजी फंड से इनाम दिया जाएगा।

मास्क न लगाने पर 300 रुपये जुर्माने की मुनादी

कौशांबी : कोरोना से जंग में पंचायतीराज विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में मास्क का वितरण कराया। डीपीआरओ की पहल पर ग्राम पंचायतों ने निर्णय लिया है कि जो व्यक्ति बगैर मास्क लगाए घर से बाहर निकलेगा, उससे 300 रुपये जुर्माना वसूला जाएगा। इस संबंध मुनादी भी कराई जा रही है। दरअसल, जिला प्रशासन ने मास्क लगाए या अंगोछा लपेटे बिना घर से बाहर निकलने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। डीपीआरओ गोपाल ओझा ने कहा है कि जरूरी काम पड़ने पर ही घर से बाहर निकलें। बताया कि शनिवार को एक हजार मास्क वितरित किए गए।

पीएम और सीएम पर अभद्र टिप्पणी पर उप्र कांग्रेस के प्रदेश सचिव गिरफ्तार

जासं, अमरोहा : उप्र कांग्रेस के प्रदेश सचिव को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर लॉकडाउन उल्लंघन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर अभद्र टिप्पणी के आरोप हैं। कांग्रेस प्रदेश सचिव एवं लोकसभा क्षेत्र अमरोहा से कांग्रेस से चुनाव लड़ चुके सचिन चौधरी ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस की थी। कहा था कि कोरोना से किसी को नुकसान हो या न हो लेकिन, भुखमरी के हालात बन रहे हैं। गरीब लोग जरूर मर जाएंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री पर अभद्र टिप्पणी करते हुए सरकार की ओर से चलाई जा रही रसोई को दिखावा करार दिया। शनिवार को नगर कोतवाली पुलिस ने उनके खिलाफ लॉकडाउन का उल्लंघन करने व पीएम व सीएम पर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

कथित प्रगतिशील वर्ग में तब्लीगी जमात को लेकर निंदा का सुर धीमा दिखा है

प्रथम पृष्ठ से आगे

मनीष तिवारी का कहना है कि अगर आप गलत को गलत नहीं कहेंगे तो फिर आप दूसरे पक्ष के कट्टरपंथियों को मजबूत करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कथित प्रगतिशील वर्ग में तब्लीगी जमात को लेकर निंदा का सुर धीमा दिखा है। इनके खिलाफ पाकिस्तान और इस्लामी देशों में ज्यादा सख्त रुख दिखाई दिया है।

कांग्रेस नेता ने मुख्यधारा के मुसलमानों से भी कहा कि अगर वे ऐसी घटनाओं की निंदा नहीं करेंगे तो लोगों को सभी मुसलमानों की तुलना जमात से करने का मौका मिल जाएगा। अपनी इस साफगोई को लेकर मनीष तिवारी को सोशल मीडिया पर अपनी ही पार्टी के नेता शकील अहमद से लेकर दिल्ली कांग्रेस की नेता यास्मीन किदवई के भी सवालों का सामना करना पड़ा। एक तथाकथित मुस्लिम बुद्धिजीवी ने तो तंज कसते हुए यहां तक पूछ डाला कि वे भाजपा में कब शामिल हो रहे हैं। मनीष तिवारी ने पलटवार करते हुए कहा कि पाकिस्तानी मंत्री से इस तरह के सवाल क्यों नहीं किए जाते?

पीड़ित होने का कार्ड न खेलें : सोशल मीडिया पर छेड़ी गई इस बहस के बारे में दैनिक जागरण के पूछे जाने पर मनीष तिवारी ने कहा 'राम जन्मभूमि के दिनों से ही मेरा स्पष्ट मानना रहा है कि जब तक आप अल्पसंख्यक सांप्रदायिकता के खिलाफ संघर्ष नहीं करेंगे तब तक आप बहुसंख्यक सांप्रदायिकता का मुकाबला नहीं कर सकते। हमें बराबर का नजरिया अपनाना ही होगा। तब्लीगी जमात को विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए, न कि कोरोना जेहाद का। इसमें तथाकथित धर्मनिरपेक्षवादियों का पीड़ित होने (विक्टिम) का कार्ड उनके स्वयं के लिए भी विध्वंसकारी है।'

पार्टी में मिला समर्थन : मनीष तिवारी के समर्थन में भी लोग आगे आए। उनकी ही पार्टी के नेता और लखनऊ से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने वाले प्रमोद कृष्णम ने कहा कि तब्लीगी जमात की निंदा करने के बजाय तथाकथित सेक्युलरिस्ट लिबरल पीड़ित कार्ड खेल रहे हैं।

उन्होंने कथित प्रगतिशील बुद्धिजीवियों की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिन्होंने आरएसएस, विहिप और बजरंग दल की आलोचना कर अपनी राजनीति को संवारा है वे क्यों मौन हैं और अपने अंदर क्यों नहीं झांक रहे हैं?